एम.ए. (हिन्दी) (उत्तरार्द्ध) सेमेस्टर - चार

रंगमंच - विकल्प

दिन	समय 9:00 से 10:50	11:45 से 1:35	2:30 से 4:20
	प्रश्नपत्र 4011 : सिद्धांत और इतिहास	प्रश्नपत्र 4012 : पाठ और प्रदर्शन	प्रश्नपत्र 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच
1.	संस्कृत रंगमंच: स्वरूप विवेचन	प्रस्तुति प्रक्रिया: स्वरूप विवेचन	स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
2.	पारम्परिक रंगमंच स्वरूप पारम्परिक रंगमंच विशेषताएं	प्रस्तुति आलेख और मूल पाठ	स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3.	रामलीला, रासलीला स्वांग, नौटंकी, ख्याल	प्रस्तुति आलेख और मूल पाठ	स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
4.	रासलीला, रामलीला स्वांग, नौटंकी, ख्याल	नाटक की व्याख्या	तुगलक : गिरीश कर्नाड
			प्रश्नपत्र : 4014 IDC
5.	भरत, स्तानिस्लावस्की और ब्रेख्त के अभिनय सिद्धांत	नाट्य प्रदर्शन: स्वरूप प्रदर्शन शैली-निर्धारण	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
6.	भरत, स्तानिस्लावस्की और ब्रेख्त के अभिनय सिद्धांत	नाट्य प्रदर्शन: स्वरूप प्रदर्शन शैली-निर्धारण	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
7.	हिन्दी रंगमंच : इतिहास	निर्देशन, अभिनय	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
8.	व्यावसायिक, अव्यावसायिक रंगमंच	निर्देशन, अभिनय	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
9.	आजादी के बाद का रंगमंच: स्वरूप विशेषताएं	पार्श्व कर्म, रंग संगीत	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
10.	रंगचिंतन : भारतेंदु हरिश्चन्द्र	अभिज्ञान शाकुंतलम् : पाठ और प्रदर्शन	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
11.	रंगचिंतन : जयशंकर प्रसाद	अभिज्ञान शाकुंतलम् : पाठ और प्रदर्शन	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
12.	रंगचिंतन : मोहन राकेश	अभिज्ञान शाकुंतलम् : पाठ और प्रदर्शन	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
	प्रश्नपत्र 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच	प्रश्नपत्र 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच	
13.	तुगलक : गिरीश कर्नाड	पगला घोड़ा : बादल सरकार	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
14.	तुगलक : गिरीश कर्नाड	खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
15.	पगला घोड़ा : बादल सरकार	खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
16.	पगला घोड़ा : बादल सरकार	खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर	IDC अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र

(दिनेशकुमार गुप्ता)

30

हिन्दी-विभाग
(मुक्त शिक्षा विद्यालय)
दिल्ली विश्वविद्यालय
एम॰ए॰ हिन्दी, सेमेस्टर-IV, विकल्प G : आधुनिक हिन्दी साहित्य

क्र॰	प्रश्नपत्र - 4071 (आधुनिकता की यात्रा) 9.00-9.55 -10.50	प्रश्नपत्र - 4072 (आधुनिक हिंदी साहित्य की विशेषताएँ) 11.45-12.40-1.35	प्रश्नपत्र - 4073 (आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ) 2.30-3.25 -4.25
1.	हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु के नाटक हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु के नाटक	औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनसंघ औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनसंघ	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य की अवधारणा
2.	नील दर्पण : ऐतिहासिक-सामाजिक संदर्भ नील दर्पण : ऐतिहासिक-सामाजिक संदर्भ	फोर्टविलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा फोर्टविलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा	संस्कार : सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ संस्कार : सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ
3.	नील दर्पण : नाट्य शिल्प नील दर्पण : व्याख्या	हिन्दी की बहसें हिन्दी की बहसें	संस्कार : भाषा और शिल्प विधान संस्कार : भाषा और शिल्प विधान
4.	आधुनिकता की अवधारणा और सुमित्रानंदन पंत आधुनिकता की अवधारणा और सुमित्रानंदन पंत	भारतेन्दु युग : युगीन परिवेश भारतेन्दु युग : युगीन परिवेश	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य की अवधारणा
5.	'पल्लव' की भूमिका और पंत की काव्यदृष्टि 'पल्लव' की भूमिका और पंत की काव्यदृष्टि	भारतेन्दु मंडल के रचनाकार भारतेन्दु मंडल के रचनाकार	[illegible] [illegible]
6.	'पल्लव' की कविताएँ : संवेदना और शिल्प 'पल्लव' की कविताएँ : संवेदना और शिल्प	द्विवेदी युगीन परिवेश और तत्कालीन हिन्दी साहित्य 'सरस्वती' पत्रिका का योगदान	
7.	अज्ञेय : दृष्टि और सृष्टि अज्ञेय : दृष्टि और सृष्टि	प्रगतिशील आंदोलन (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी) प्रगतिशील आंदोलन (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी)	
8.	शेखर : एक जीवनी - आधुनिकता शेखर : एक जीवनी - आधुनिकता	राष्ट्रवाद (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी) राष्ट्रवाद (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी)	
9.	शेखर : एक जीवनी - गाँव, शहर और समाज शेखर : एक जीवनी - गाँव, शहर और समाज	उपनिवेशवाद विरोध और प्रगतिशीलता के प्रश्न (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी) उपनिवेशवाद विरोध और प्रगतिशीलता के प्रश्न (संदर्भ : एक साहित्यिक की डायरी)	
10.	स्वातंत्र्योत्तर भारतीय परिस्थितियाँ और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव स्वातंत्र्योत्तर भारतीय परिस्थितियाँ और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव	पश्चिम के विचार आंदोलन और उत्तर औपनिवेशिक हिंदी साहित्य (संदर्भ : कविता के नये प्रतिमान)	
11.	रागदरबारी : अंतर्वस्तु रागदरबारी : अंतर्वस्तु	पश्चिम के विचार आंदोलन और उत्तर औपनिवेशिक हिंदी साहित्य (संदर्भ : कविता के नये प्रतिमान)	(अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
12.	रागदरबारी : उपन्यास-शिल्प रागदरबारी : व्याख्या	पश्चिम के विचार आंदोलन और उत्तर औपनिवेशिक हिंदी साहित्य (संदर्भ : कविता के नये प्रतिमान)	
13.	(प्र.प.4073 आधुनिक भा.सा. का संदर्भ) रवीन्द्रनाथ टैगोर का रचना-संसार रवीन्द्रनाथ टैगोर का रचना-संसार	भारतीय नाटकों की परंपरा में विजय तेंदुलकर का स्थान भारतीय नाटकों की परंपरा में विजय तेंदुलकर का स्थान	
14.	गोरा : अंतर्वस्तु गोरा : अंतर्वस्तु	'घासीराम कोतवाल' : सांस्कृतिक-सामाजिक संदर्भ 'घासीराम कोतवाल' : उपन्यास शिल्प	
15.	गोरा : उपन्यास शिल्प गोरा : उपन्यास शिल्प	'घासीराम कोतवाल' : मंच प्रस्तुतियाँ 'घासीराम कोतवाल' : व्याख्या	
16.	फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : बहुभाषिकता और बहुसांस्कृतिकता फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : बहुभाषिकता और बहुसांस्कृतिकता	फ़ैज़ की कविताएँ : परिवेश से मुठभेड़ फ़ैज़ की प्रतिनिधि कविताएँ : भाषा और शिल्प	

डा० सुधीरकुमार

हिन्दी-विभाग

मुक्त शिक्षा विद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

एम०ए० हिन्दी, सेमेस्टर-IV, विकल्प (E) :- मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

क्र०	समय : 9.00 - 10.50 प्रश्नपत्र - 4041 : मध्यकालीन साहित्य की अवधारणा	समय : 11.45 - 1.35 प्रश्नपत्र - 4042 : मध्यकालीन दरबारी परम्परा	समय : 2.30 - 4.20 प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा
1.	मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि	गकंग कवि : काव्य सौन्दर्य, भाषा	विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी, काव्य सौन्दर्य
2.	मध्यकाल : रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन	गंग कवित्त : व्याख्या	विद्यापति की पदावली :- व्याख्या
3.	मध्यकाल : आचार्य द्विवेदी का चिंतन	केशव दास : आचार्य, भाषा	मीरा : भक्ति, प्रेम, भाषा : व्याख्या
4.	मध्यकाल : रामविलास शर्मा का चिंतन	कविप्रिया : व्याख्या	नानक : संत परम्परा भक्ति : व्याख्या
5.	भक्ति का उद्भव और विकास, विविध सम्प्रदाय	वृंद, गिरिधर : नीति परम्परा, नैतिक आदर्श : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम) I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
6.	भक्ति के क्षेत्र में वैष्णवाचार्यों : योगदान	मतिराम : आचार्यत्व, भाषा	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
7.	मध्यकालीन शास्त्रीय चिंतन का स्वरूप	मतिराम संकलन : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
8.	मध्यकाल का काव्यरूप : प्रबन्ध	पद्माकर : आचार्यत्व व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
9.	मध्यकालीन बोध	जगद्विनोद : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
10.	मध्यकालीन सौन्दर्य दृष्टि	भूषण : राष्ट्रीयता, वीरकाव्य परम्परा (भाषा)	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
11.	कथानक रूढ़ियाँ	भूषण संकलन : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
12.	कवि प्रसिद्धियाँ	देव : आचार्यत्व, भाषा, व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
क्र०	प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा		
13.	सूरदास : भक्ति दर्शन, भाषा	बोधा : स्वच्छन्द परम्परा, प्रेम दर्शन, भाषा(व्याख्या)	
14.	सूरसागर : भक्ति, दर्शन, भाषा	मंझन : सूफी काव्य परम्परा, विरह प्रेम दर्शन	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
15.	ठाकुर : स्वच्छन्द परम्परा, प्रेम दर्शन, भाषा	मधुमालती :- व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
16.	ठाकुर ठसक : व्याख्या	गालिब : आलोचना, व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)

डा० सुधीर कुमार

हिन्दी-विभाग
मुक्त शिक्षा विद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-7

एम॰ए॰ हिन्दी, सेमेस्टर-IV, विकल्प (E) : मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

क्र॰	समय : 9.00 - 10.50 प्रश्नपत्र - 4041 : मध्यकालीन साहित्य की अवधारणा	समय : 11.45 - 1.35 प्रश्नपत्र - 4042 : मध्यकालीन दरबारी परम्परा	समय : 2.30 - 4.20 प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा
1.	मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि	गंग कवि : काव्य सौन्दर्य, भाषा	विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी, काव्य सौन्दर्य
2.	मध्यकाल : रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन	गंग कवित्त : व्याख्या	विद्यापति की पदावली : व्याख्या
3.	मध्यकाल : आचार्य द्विवेदी का चिंतन	केशव दास : आचार्य, भाषा	मीरा : भक्ति, प्रेम, भाषा : व्याख्या
4.	मध्यकाल : रामविलास शर्मा का चिंतन	कविप्रिया : व्याख्या	नानक : संत परम्परा भक्ति : व्याख्या
5.	भक्ति का उद्भव और विकास, विविध सम्प्रदाय	वृंद, गिरिधर : नीति परम्परा, नैतिक आदर्श : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम) I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
6.	भक्ति के क्षेत्र में वैष्णवाचार्यों : योगदान	मतिराम : आचार्यत्व, भाषा	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
7.	मध्यकालीन शास्त्रीय चिंतन का स्वरूप	मतिराम संकलन : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
8.	मध्यकाल का काव्यरूप : प्रबन्ध	पद्माकर : आचार्यत्व व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
9.	मध्यकालीन बोध	जगद्विनोद : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम) I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
10.	मध्यकालीन सौन्दर्य दृष्टि	भूषण : राष्ट्रीयता, वीरकाव्य परम्परा (भाषा)	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
11.	कथानक रूढ़ियाँ	भूषण संकलन : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
12.	कवि प्रसिद्धियाँ	देव : आचार्यत्व, भाषा, व्याख्या	
क्र॰	प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा		
13.	सूरदास : भक्ति दर्शन, भाषा	बोधा : स्वच्छन्द परम्परा, प्रेम दर्शन, भाषा (व्याख्या)	
14.	सूरसागर : भक्ति, दर्शन, भाषा	मंझन : सूफी काव्य परम्परा, विरह प्रेम दर्शन	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
15.	ठाकुर : स्वच्छन्द परम्परा, प्रेम दर्शन, भाषा	मधुमालती : व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)
16.	ठाकुर ठसक : व्याख्या	गालिब : आलोचना, व्याख्या	I.D.C. (अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम)

एम॰ ए॰ हिन्दी सेमेस्टर IV
(E) विकल्प : आधुनिक जनसंचार माध्यम

क्रम सं॰	प्रश्नपत्र 4051/9.00 – 10.50	प्रश्नपत्र 4052/11.50 – 1.40	प्रश्नपत्र - 4053 / 2.40 – 4.30
1.	जनसंचार की अवधारणा (सैडोनो के सन्दर्भ में)	समाचार का स्वरूप एवं समाचार-संकलन की प्रक्रिया (प्रिंट एवं टी॰वी॰ माध्यम के सन्दर्भ में)	समाचार-लेखन, समाचार सामग्री के स्रोत
2.	जनसंचार की अवधारणा (मैक्लूहन के सन्दर्भ में)	समाचार संकलन एवं समाचार निर्माण: ध्यान देने योग्य बातें (प्रिंट एवं टी॰वी॰)	फीचर लेखन और उसकी विशेषताएँ
3.	जनसंचार की अवधारणा (रेमंड विलियम्स के सन्दर्भ में)	समाचार-निर्माण की तकनीक में अन्तर (प्रिंट एवं टी॰वी॰ के सन्दर्भ में)	अग्रलेख से अभिप्राय आवश्यकता एवं विशेषताएँ
4.	जनसंचार की अवधारणा (एस॰ हॉल के सन्दर्भ में)	सम्पादन का महत्व (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक)	कॉलम लेखन की कला एवं विशेषताएँ
5.	आजादी के पूर्व हिन्दी पत्रकारिता	सम्पादन के उद्देश्य (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक)	प्रश्नपत्र - 4054 अन्तरनुशासनिक (IDC) प्रश्नपत्र (संस्कृत)
6.	आजादी की लड़ाई में हिन्दी पत्रकारिता का योगदान	सम्पादन की प्रक्रिया (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक)	"
7.	आजादी के बाद हिन्दी पत्रकारिता का रूप, विकास एवं समस्याएँ	सम्पादक के कार्य एवं दायित्व सम्पादकीय नीति का विश्लेषण)	"
8.	संचार क्रान्ति : अभिप्राय क्रान्ति के बाद पत्रकारिता का स्वरूप	प्रेस और कानून	"

	प्रश्नपत्र 4051/ 9.00 – 10.50	प्रश्नपत्र 4052/ 11.50 – 1.40	प्रश्नपत्र 4054 I.D.C./ 2.40 – 4.30
9.	संचार क्रान्ति के बाद पत्रकारिता-क्षेत्र की चुनौतियाँ	विज्ञापन और जनसम्पर्क	अन्तरानुशासनिक प्रश्नपत्र
10.	पत्रकारिता के क्षेत्र में तकनीक का योगदान	विज्ञापन - लेखन के प्रकार, लक्ष्य, भाषा एवं शैलियाँ	〃
11.	पत्रकारिता के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका	मीडिया का राजनीतिक अर्थशास्त्र से अभिप्राय (आजादी के पूर्व एवं पश्चात के सन्दर्भ में)	〃
12.	दूरदर्शन पत्रकारिता : महत्व एवं प्रभाव	मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य, छवि निर्माणमूलक एवं मार्केटिंगमूलक विज्ञापनों में अन्तर	〃
13.	प्रश्नपत्र - 4053 मीडिया के अध्ययन की प्रविधियाँ (संरचनावादी एवं उत्तरसंरचनावादी)	प्रश्नपत्र 4053 व्यावसायिक सामग्री लेखन, एवं अन्य विषयों से इसका अन्तर	〃
14.	चिह्न शास्त्रीय प्रविधि	साक्षात्कार की सामान्य विशेषताएँ	〃
15.	सांस्कृतिक अध्ययन पद्धति : अभिप्राय एवं विशेषताएँ	माध्यम समीक्षा – (सिनेमा, टी.वी. एवं अखबार के सन्दर्भ में)	〃
16.	स्त्रीवादी अध्ययन पद्धति अभिप्राय एवं विशेषताएँ	कहानी लेखन एवं पटकथा लेखन, दोनों के लेखन में अन्तर	〃

— डॉ० सीमा जैन

हिन्दी-विभाग

मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम, सत्र 2019-2020

एम.ए हिन्दी सेमेस्टर-II सैमेस्टर-IV की कक्षाओं की तिथि-तालिका

क्रम सं0	माह	दिनांक	दिन
1	जनवरी	12	रविवार
2	जनवरी	19	रविवार
3	फरवरी	2	रविवार
4	फरवरी	9	रविवार
5	फरवरी	16	रविवार
6	फरवरी	23	रविवार
7	मार्च	1	रविवार
8	मार्च	8	रविवार
9	मार्च	15	रविवार
10	मार्च	22	रविवार
11	मार्च	29	रविवार
12	अप्रैल	2	बृहस्पतिवार (राम नवमी)
13	अप्रैल	5	रविवार
14	अप्रैल	6	सोमवार (महावीर जयंती)
15	अप्रैल	10	शुक्रवार (गुड फ्राइडे)
16	अप्रैल	12	रविवार

प्रभारी, हिन्दी-विभाग

टिप्पणी : तिथि-तालिकामेंपरिस्थिति के अनुसारसंशोधन/परिवर्धनकियाजासकताहै।